4197

UTTAR PRADESH 4R$50nP

INDIA

चार रुपये पचास नये पैसे

FOUR RUPEES भारत FIFTY NAYE PAISE

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

-------oo----------

मनकि सरदार आयासिंह पुत्र सरदार करनसिंह निवासी अशोकनगर शहर

कानपुर का हूं।

विदित हो कि मुकिर मालिक व काबिज आराजी भूमिधरी नम्बरी जैल वाके मौजा बैरी अकबरपुर बांगर परगना व जिला- कानपुर का है, और आराजी में अलावा मुकिर के कोई दीगर व्यक्ति शरीकव शरीक मुशाहिम व मुतालिम हकदार व हिस्सेदार मुकिर का नहीं है, और आराजी हर किस्म के बार इन्तकालात से बरी व पाक साफ है, कहीं किसी तौर पर रहन व बय वहिबा वगैरह नहीं है, चूंकि मुकिर आराजी को फरोख्त करना चाहता है, लिहाजा मुकिरने गुफ्तगू फरोख्तगी आराजी जाबजा दर पेश की तो श्री विजयकुमार महरोत्रा पुत्र श्री गंगानारायण मेहरोत्रा निवासी आर्यनगर शहर कानपुर आराजी को बिल एवज मुबलिग १५०) एकसौ पचास रुपया किनिस्फ जिसके

Buying land

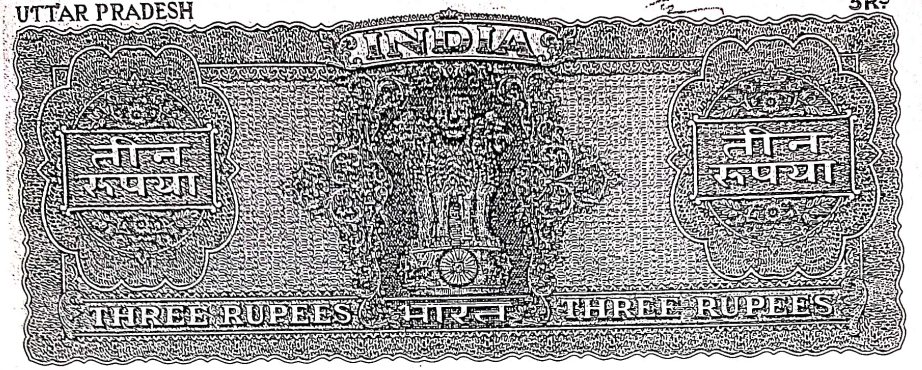

मुबलिग ७५) पचहत्तर रुपया सिक्का चलनसार होते है खरीदने को तैयार है। और कीमत निहायत माकूल देते है जो मुकिर को कबूल व मंजूर है। लिहाजा मुकिर ने अपने शुभचिन्तकों की राय से आराजी मज़कूर को बिला इस्तशनाए किसी रौ व जुज व हक के बिल एवज मुबलिग १५०) एक सौ पचास रुपया जिनिस्फ जिसके मुबलिग ७५) पचहत्तर रुपया सिक्का चलनसार होते हैं बदस्त श्री विजय-कुमार मेहरोत्रा पुत्र श्री गंगानारायण मेहरोत्रा निवासी आर्यनगर शहर कानपुर बय कतई किया, और बेच डाला तथा कुल जरे समन तमाम व कमाल हस्ब तफसील जैल दाम दाम वसूल पालिया एक हब्बा भी बाबत जरेसमन बाकी नहीं रहा, और कब्जा दखल आराजी मुबैया हाजा पर खरीदार मौसूफ का तारीख बयनामा से मिस्ल अपने करादिया, खरीदार को लाजिम है कि आराजी मुबैया हाजा पर काबिज रह कर जो जी तसर्रुफात चाहे अमल में लावे, और आराजी मुबैया हाजा पर अपना नाम बदखारिज नाम

(३)

मुकिर दर्ज कागजात सरकारी करा लेवे, आवश्यकतानुसार मुकिर अपनी अनुमति दे देवेगा, आराजी मुबैया हाजा के हर प्रकार के ऋण व भार से मुक्त होने का क्योंकि मुकिर ने मुस्तरी मुस्तरी को हर प्रकार से करा दिया है, लेकिन इसके बावजूद भी यदि आराजी मुबैया हाजा पर कोई बार निकले जो खरीदार मुस्तरी को अदा करना पड़े अथवा मुकिर के किसी फेल या तर्क फेल या किसी दीगर व्यक्ति की दावेदारी से आराजी मुबैया कुल या जुज कब्जा खरीदार से निकल जावे तो उसकी कुल जिम्मेदारी मुकिर पर होगी, और पाबन्द रहेगा।

लिहाजा मुकिर ने अपने स्वस्थ मन इन्द्रीय चित्त व मन बुद्धि की स्थिर दशा में बिना किसी के समझाये व बहकाये व बगैर किसी दाब नाजायज के समझ बूझ कर यह चन्द कलमा बतौर बयनामा कतई कामिल के तहरीर कर दिया कि प्रमाण रहे और समय पर काम आवे।

तफसील आराजी मुबैया भूमिधरी वाके मौजा बैरी अकबरपुर बांगर परगना व जिला- कानपुर।

नम्बर	रकबा	लगान
532/2 ५३२।२ पाँच सौ बत्तीस बटा दो	३ तीन बिस्वा,	बमुजिब फाटं।

तफसील वसूलयाबी जरेसमन मुबलिग १५०) एकसौपचास रुपया।
मुबलिग १५०) एकसौ पचास रुपया सामने श्रीमान् सबरजिस्ट्रार महोदय कानपुर के नकद प्राप्त हो गये।

दिनांक २०-८-१९८२ई०। Drafted by me. Ram Sunder Misra 20/8/82